जय भवानी नगर में हटे 14 अतिक्रमण

नाले की प्राकृतिक स्थिति को दोबारा बहाल करने की कवायद, पहले दिन चार अतिक्रमण हटाए

औरंगाबाद। 9 नवंबर। लोस सेवा

जय भवानी नगर परिसर से बहने वाले नाले पर अतिक्रमण हटाने के लिए जारी कार्रवाई के दूसरे दिन गुरुवार को मनपा प्रशासन ने 14 अतिक्रमण हटाए.

बुधवार को जय भवानी नगर में स्थित नाले पर बनाए गए मकान और इमारतों पर मनपा के तोड़ू दस्ते ने कार्रवाई शुरू की थी. पहले दिन मनपा को भारी विरोध का सामना करना पड़ा था. बुधवार शाम तक चार इमारतों को हटाया गया. मनपा का दस्ता आज सुबह दोबारा जय भवानी नगर परिसर में पहुंचा. शुरू में परिसर के नागरिकों ने मार्किंग को लेकर आपत्ति जताई, लेकिन मनपा के अतिक्रमण विभाग के सीएम अभंग और प्रभाकर पाठक ने मार्किंग को लेकर होने वाली आपत्ति पर खुलासा किया.

इसके बाद मनपा के दस्ते ने कार्रवाई शुरू की. मनपा की कार्रवाई को देखते हुए कुछ लोगों ने अपने हाथों से अपने निर्माण कार्य हटाने शुरू किए. इस तरह गुरुवार शाम तक कुल 14 अतिक्रमण हटाए गए. अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में पोपटराव तिवटने, दिलीप सुरे, सागर श्रेष्ठ, सचिन दुबे, रवींद्र देसाई आदि ने भाग लिया.

औरंगाबाद में गुरुवार को जयभवानी नगर में अतिक्रमण तोड़ने की कार्रवाई करता हुआ मनपा का जेसीबी दस्ता.

'भूमिगत'की समस्या भी हल होगी

जय भवानी नगर के नाले में बिछाई जाने वाली 'भूमिगत' ड्रेनेज योजना में नाले के अतिक्रमण बाधा बने हुए थे. इस संबंध में कई बार मनपा की बैठकों में यह मामला उठ चुका है. इसके बावजूद मनपा प्रशासन की टालमटोल जारी थी. कुछ नागरिकों के विरोध को देखते हुए होने वाली टालमटोल पर मनपा के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही थी.

पानी भरने से उठा मामला

जय भवानी नगर के नाले में इस बार भारी बारिश के दौरान आई बाढ़ के चलते सैकड़ों मकानों में पानी भर गया था. परेशानी का जायजा लेने के लिए पालकमंत्री रामदास कदम, तत्कालीन महापौर बापू घड़ामोड़े, जिलाधिकारी नवल किशोर राम और मनपा आयुक्त डीएम मुगलीकर ने दौरा कर नाले पर बने अतिक्रमण पर नाराजगी जताई थी.

पालकमंत्री और जिलाधिकारी ने तो अतिक्रमण पर ही आश्चर्य जताया था और तत्काल नाले के अतिक्रमण हटाने पर जोर दिया था. नाले पर बनी इमारतों और मकानों के अतिक्रमण पर कार्रवाई को लेकर बढ़ते दबाव के बीच पिछले दिनों मनपा प्रशासन ने संबंधित नागरिकों को नोटिस जारी किया था. पहले बारिश और बाद में दीपावली के त्यौहार के चलते कार्रवाई शुरू नहीं की गई थी. इसके बाद यह लगने लगा था कि अगली बारिश तक मनपा नाले के अतिक्रमण को भूल जाएगी, लेकिन मनपा प्रशासन ने बुधवार से नाले पर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी.

'जिराफ' और 'जेब्रा' फिर आएंगे सिद्धार्थ उद्यान

औरंगाबाद। 9 नवंबर। लोस सेवा

सिद्धार्थ उद्यान प्राणि संग्रहालय के विस्तार और उसके आकर्षण को बढ़ाने के लिए 'जिराफ' और 'जेब्रा' की जोड़ी लाने के लिए जारी प्रयास कुछ दिन से रुक गए थे, लेकिन महापौर नंदकुमार घोड़ेले ने आज उक्त प्रयासों को दोबारा शुरू करने के साथ ही इसके लिए 50 लाख रुपए का प्रावधान करने के निर्देश दिए.

महापौर ने आज सुबह प्राणि संग्रहालय का दौरा कर सैर करने के लिए आने वाले लोगों की समस्याओं को भी जाना. इस अवसर पर योग शेड का नवीनीकरण करने, सिद्धार्थ उद्यान में घूमने आने वाले छोटे बच्चों को सैर कराने के लिए दो ऊंट ट्रेनर के साथ लेने, बच्चों को प्राणि संग्रहालय घुमाने के लिए बैटरी पर चलने वाले ऑटो रिक्शा का प्रबंध करने, उद्यान और प्राणि संग्रहालय में सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा बिजली का नवीनीकरण करने, प्राणि संग्रहालय में अकेले रह गए

प्राणियों के जोड़ीदार लाने, पड़ेगांव में प्रस्तावित सफारी पार्क के लिए सुरक्षा दीवार बनाने और अतिक्रमण हटाने, मराठवाड़ा मुक्ति संग्राम संग्रहालय में फायर फाइटिंग का प्रबंध करने का भी निर्देश दिया गया.

इसके अलावा पूर्व आयुक्त ओमप्रकाश बकोरिया के कार्यकाल में प्राणि संग्रहालय में 'जिराफ' और 'जेब्रा' लाने के लिए प्रयास किए गए थे. बकोरिया के जाने के बाद ये प्रयास रुक गए थे. इस बीच, विभिन्न स्तरों पर 'जेब्रा' और 'जिराफ' के लिए प्रयास किए गए थे. इस कार्य के लिए मनपा के अधिकारियों ने हैदराबाद और विशाखापट्टनम का दौरा कर 'जिराफ' और 'जेब्रा' के रहन-सहन का जायजा लिया था. इसके अलावा विभिन्न एजेंसियों से भी बातचीत की थी.

इस प्रयास को दोबारा शुरू करने के लिए कहा गया है. इसके अलावा उद्यान और प्राणि संग्रहालय के रास्तों की मरम्मत, बैठने के लिए टेबल, बच्चों के लिए बनाए गए वसुंधरा सिनेमागृह का नवीनीकरण आदि करने का निर्णय लिया गया. इस अवसर पर नगर रचना विभाग के सहायक संचालक आलुरकर, कार्यकारी अभियंता हेमंत कोल्हे, प्राणि संग्रहालय के संचालक डॉ बीएस नाईकवाड़े, उद्यान अधीक्षक विजय पाटील, संपत्ति अधिकारी वामन कांबले, उप अभियंता एसवी खन्ना, कृषि सहायक डीआर निंबालकर आदि उपस्थित थे.

एक सप्ताह से अधिक नहीं रुकेगी कोई फाइल

जिलाधिकारी नवल किशोर राम का लक्ष्य

औरंगाबाद। 9 नवंबर। लोस सेवा

जिलाधिकारी नवल किशोर राम ने साफ किया है कि उनके पास आई हुई फाइल किसी भी कीमत पर अधिकतम एक सप्ताह में संबंधित विभाग में वापस जाएगी. इसके अलावा लंबित मामलों की साप्ताहिक समीक्षा की जा रही है, जिससे कोई भी काम रुके नहीं.

कार्यभार संभालने के बाद पहली बार 'लोकमत भवन' आए जिलाधिकारी राम ने लोकमत समूह के वरिष्ठ संपादकीय सहयोगियों से बातचीत करते हुए कहा कि उनकी नजर में ई-फाइलिंग सभी समस्याओं का हल नहीं है. लोगों को कामों के लिए निजी तौर पर ध्यान देना आवश्यक है. निचले कर्मचारियों के कामों की समीक्षा करना

जरूरी है. उन्होंने बताया कि आम आदमी से जुड़ी सुविधाओं को दुरुस्त करने की दिशा में सेतु केंद्र के कामकाज को ऑफलाइन से दोबारा ऑनलाइन बनाया है. अब वहां से प्रमाण-पत्र को लेकर शिकायतें नहीं आ रही हैं. उन्होंने कहा कि आगे नौ तहसीलों में 'सिटीजन सर्विस सेंटर' शुरू करना बाकी है.

जिलाधिकारी राम ने नई सड़कों के बारे में सवाल करने पर बताया कि जिले से गुजरने वाले समृद्धि मार्ग के लिए भूमि अधिग्रहण का काम नवंबर आखिरी तक 80 फीसदी और लगभग एक माह में काम पूरा हो जाएगा. फिलहाल 250 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण हो चुका है. जिला प्रशासन को 12सौ हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण करना बाकी है. दूसरी ओर सोलापुर-धुलिया राष्ट्रीय राजमार्ग-211 में येड़सी औरंगाबाद तक कोई समस्या नहीं है, लेकिन औरंगाबाद-धुलिया मार्ग के जमीन अधिग्रहण की सूचना देरी से निकलने के कारण काम धीमा हो गया है. उस मार्ग का भूमि अधिग्रहण छह माह में पूरा होगा. विदित हो कि राष्ट्रीय राजमार्ग में औरंगाबाद से गुजरने वाला बीड़ बाईपास भी आता है, जिसका काम रुका हुआ है.

नोट बंदी के चलते राजस्व घटने जैसी बात से इंकार करते हुए उन्होंने कहा कि आमतौर पर सरकारी संस्थाओं को इन चीजों का प्रभाव नहीं पड़ता है. जब उनका ध्यान स्टैम्प ड्यूटी की ओर आकर्षित किया गया तो उनका कहना था कि उन्हें इस किस्म की कोई जानकारी उपलब्ध नहीं हुई है.

जिलाधिकारी राम ने स्वीकार किया कि जिले और शहर में सड़क और पानी जटिल समस्याएं हैं और इन पर कार्य करना चुनौतीपूर्ण है. उन्होंने बताया कि जिले में पैठण, सिल्लोड़, सोयगांव तथा कन्नड़ तहसील में कम वर्षा होने से जल का अभाव है. उन्होंने उम्मीद जताई कि मुख्यमंत्री से मिली 100 करोड़ रुपए की राशि का योजनाबद्ध इस्तेमाल होने के बाद छह महीने में परिणाम दिखेंगे. जिलाधिकारी ने कहा कि ऐतिहासिक दृष्टि से औरंगाबाद एक पुरातनकालीन शहर है, मगर उसे जो स्थान मिलना चाहिए था, वह नहीं मिला है. इसके लिए प्रयास किए जाने चाहिए. उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन ने अजंता और एलोरा के आस-पास सड़क और अन्य सुविधाओं के लिए प्रयास किए हैं. अजंता के पास पांच किलोमीटर का रास्ता बनाया जा रहा है.

प्रशासन को लोकोन्मुखी होने की जरूरत बताते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि आम आदमी की समस्याओं को सुना जाना चाहिए. जिलाधिकारी कार्यालय के कर्मचारियों को लोगों को समझने और समझाने वाला बनना चाहिए. उन्होंने कहा कि वह स्वयं सप्ताह में डेढ़ से दो हजार लोगों से व्यक्तिगत रूप से मिलते हैं. रोजाना उनसे मिलने वालों की संख्या डेढ़ सौ से दो सौ तक होती है.

इसके पहले, लोकमत भवन आगमन पर लोकमत समूह के एडिटर इन चीफ राजेंद्र दर्डा ने जिलाधिकारी राम का स्वागत किया.

सड़क दुर्घटना में इंजीनियर की मौत

औरंगाबाद। 9 नवंबर। लोस सेवा

अधूरे काम और खराब रास्ते के चलते पैठण रोड पर बुधवार को हुई दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार इंजीनियर की मृत्यु हो गई.

मृतक इंजीनियर की पहचान कांचनवाड़ी के तिरुपति विहार निवासी सचिन सदाशिवराव देशपांडे के रूप में हुई. बताया जाता है कि बुधवार की रात साढ़े ग्यारह बजे के लगभग सचिन अपनी पत्नी वैष्णवी के साथ शहर से कांचनवाड़ी की ओर अपने घर जा रहे थे. तभी उनको किसी वाहन ने टक्कर मार दी. इस दुर्घटना में सचिव गंभीर रूप से घायल हो गए थे. जबकि उनकी पत्नी भी बेहोश हो गई थी. दुर्घटना के बाद दोनों को कांचनवाड़ी के निजी अस्पताल में भर्ती किया गया था. जहां पर डॉक्टरों ने जांच-पड़ताल के बाद सचिन को मृत घोषित कर दिया. मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया कि अधूरे काम और खराब रास्ते के चलते सचिन की मृत्यु हुई है. सचिन एक निजी कंपनी में इंजीनियर के रूप में काम करते थे और उनका विवाह छह महीने पहले ही हुआ था.

आता प्रथमच सेक्स समस्यांवर अत्याधुनिक विदेशात प्रचलित लेझर व व्हॅक्युम थेरेपी उपचार
विवाहापुर्वी व विवाहानंतर समस्यांसाठी एम.बी.बी.,एस.एम.डी. डॉक्टरांचा सल्ला
हस्तमैथुन, स्वप्नदोष, वीर्यदोष, शिघ्रपतन, इंद्रीय शिथिलता, पुरुष वंधत्व
हायपोगोनॅडिझममुळे इंद्रीय समस्या, मधुमेहामुळे आलेली लैगिंक शिथीलता
ऑलीगोस्पर्मीया : शुक्रजंतुची संख्या कमी असणे. ॲझुस्पर्मीया: शुक्रजंतुची संख्या अजीबात नसणे.
आशाकिरण क्लिनीक
१९८५ पासुन शास्त्रीयोक्त मार्गदर्शन केंद्र

३८, निराला बाजार, बाटा शोरुम समोर, औरंगाबाद. वेळ - स.११ ते ३ व सायं.७ ते ९ शनिवार रविवार बंद
कृपया अनावश्यक खर्चीक व फसव्या उपचारापासुन सावध मो. 7769856821 9767132521

#MahaMarathon /MahaMarathon
लोकमत समाचार

कुछ आनंद #महा होते हैं
आपकी पहली कमाई
आपकी पहली पदवी
आपकी पहली मैराथन
पहले दो का आनंद आपने लिया होगा अथवा आने वाले 10 साल में आप वे पाएंगे, लेकिन आप के जीवन में पहली मैराथन का आनंद पाने का अवसर अब आप के सामने खडा है - भागो रे !
बनायेंगे इतिहास#महा !
आने वाले दिसंबर में लोकमत महामैराथन फिर **औरंगाबाद** शहर में आ रही है - भागो - रे !
आज ही पंजीकरण करवाएं और इतिहास बनाए #महा !
लोकमत महामैराथन
औरंगाबाद 17/12/2017 | कोल्हापुर 28/01/2018 | नागपुर 11/02/2018
स्पर्धा
Half Marathon - 21 Kms
Power Run - 10 Kms
Fun Run - 5 Kms
Family Run - 3 Kms
REGISTRATION नोंदणी सुरु OPEN
महामैराथन के लिए शेष है
दो महीने से कम की अवधि. जल्दी कराएं आपका पंजीकरण.
पंजीकरण के लिए www.mahamarathon.com/aurangabad
पंजीकरण की अंतिम तिथि : 2 दिसम्बर, 2017
पंजीकरण के लिए संपर्क : लोकमत भवन, जालना रोड, औरंगाबाद
मो : 9921030700, 9130239424 । फोन : 0240-3021708
Brought to you by SAFFRON LANDMARKS
Aurangabad Maha Marathon
A LOKMAT INITIATIVE
17 Dec 2017
21km
Associate Sponsor riso 100% Ricebran Oil
Powered by DHOOT TRANSMISSION
ANAND CONSTRUCTION SINCE 1996 | लाभ | AURACON INFRA | CORE CONSULTANTS | ZAMBAD BUILDERS & DEVELOPERS
T-Shirt Partner SANDIP UNIVERSITY
Co-Sponsors SARA INSPIRED BY YOU
Food & Beverage Partner Frut-X Fortune Foods
Official Energy Drink Partner Enerzal Balanced Energy Drink
Sporting Accommodation Partner istay sporty making sports happen
Health & Drink Partner Vedika Care n Cure
Race Management YOU TOO CAN RUN
Health & Fitness Partner RELAX - ZEAL
Water Partner COOLZY Love your life
Mall Partner PROZONE LIFE BEGINS HERE
Sports Partners